

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

सेवामें,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 25 मार्च, 2008

विषय :- चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु आयोजनागत पक्ष की योजनाओं हेतु धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-131/नि0क0/2007-08 दिनांक 29 जनवरी, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिए मत्स्य विभाग के आयोजनागत पक्ष की नई हैचरियों की स्थापना व वर्तमान हैचरियों/मत्स्य प्रक्षेत्रों का आधुनिकीकरण योजनान्तर्गत टी.ए.सी. द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रु0 52.60 लाख (रुपये बावन लाख साठ हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

2. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय, धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जाय। स्वीकृत नाम से अधिक कदापि न व्यय किया जाय।
3. निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टैक्नीकल स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय एवं स्थल का भूगर्भीय सर्वेक्षण करा लिया जाय। निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार स्थलीय निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय तथा बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
4. आगणन में उल्लिखित दरें केवल गठित आगणन के लिए ही अनुमन्य हैं, कार्य कराने से पूर्व दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा, तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
5. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल चालू एवं पूर्व अनुमोदित कार्यों-मदों पर ही व्यय किया जाय तथा किसी ऐसे कार्य/मद पर धनराशि व्यय न की जाय जो योजना में स्वीकृत नहीं है।
6. स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्हीं मदों (नाला/बाउण्ड्री वाल/आवासीय भवनों का निर्माण) पर किया जाय जिसके लिए स्वीकृति दी जा रही है। यदि इसका उपयोग अन्यत्र किसी अन्य मद में किया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा अप्राधिकृत व्यय की वसूली की जायेगी।
7. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय।

8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को ध्यान में रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
9. निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय।
10. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी भी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
11. जी0पी0डब्लू फॉर्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई का कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
12. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/xiv-219 (206) दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-28 के मानद मद-4405-मछली पालन पर पूँजीगत परिव्य-00-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-91-मछली पालन (जिला योजना)-9104-नई हैचरियों की स्थापना तथा वर्तमान मत्स्य प्रक्षेत्रों/हैचरियों का आधुनिकीकरण -24-वृहद् निर्माण कार्य लेखाशीर्षकों के नामें डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या -564(P)/XXVII/2007 दिनांक 20 मार्च, 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक :- यथोपरि।

भवदीय

(अमरेन्द्र सिन्हा)

सचिव

संख्या-23। (1)/ XV-2/08(16)07/2008 - तददिनांक 25/03/2008

प्रतिलिपि निम्न लिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, मा0 मंत्री मत्स्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त को प्रमुख सचिव एवं आयुक्त महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
4. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून उत्तराखण्ड।
7. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
8. वित्त अनुभाग-4
9. बजट, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
11. सम्बन्धित निर्माण इकाई।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव
25/3

8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को ध्यान में रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
9. निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का कड़ाई से पालन किया जाय।
10. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी भी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
11. जी0पी0डब्लू फॉर्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई का कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
12. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/Xiv-219 (206) दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-28 के मानद मद-4405-मछली पालन पर पूँजीगत परिव्य-00-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-91-मछली पालन (जिला योजना)-9104-नई हैचरियों की स्थापना तथा वर्तमान मत्स्य प्रक्षेत्रों/हैचरियों का आधुनिकीकरण -24-वृहद् निर्माण कार्य लेखाशीर्षकों के नामें डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या -564(P)/XXVII/2007 दिनांक 20 मार्च, 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक :- यथोपरि।

भवदीय

(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव

संख्या-23। (1)/ XV-2/08(16)07/2008 - तददिनांक 25/03/2008

प्रतिलिपि निम्न लिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, मा0 मंत्री मत्स्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त को प्रमुख सचिव एवं आयुक्त महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
4. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून उत्तराखण्ड।
7. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
8. वित्त अनुभाग-4
9. बजट, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
11. सम्बन्धित निर्माण इकाई।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव
25/3